

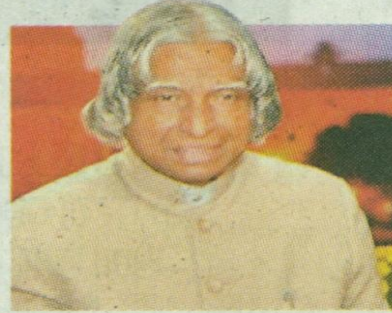
प्राइड फीलिंग

नासा ने अपनी खोज को दिया डॉ. कलाम का नाम

भा

रत के पूर्व राष्ट्रपति
स्व. एपीजे अब्दुल
कलाम के नाम पर

अमरीका की नेशनल
एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस
एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के
वैज्ञानिकों ने हाल ही में खोजे गए
जीवाणु की एक नई प्रजाति का
नाम रखा है। नासा ने ऐसा
मिसाइल मैन के सम्मान में किया
है। यह नया जीव एक प्रकार का
जीवाणु है जो केवल अंतरराष्ट्रीय
अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस)
पर पाया गया है। नासा की मुख्य
प्रयोगशाला, जेट प्रोपल्सन
लेबोरेट्री (जेपीएल)
इंटरप्लेनेटरी ट्रेवल यानि एक ग्रह
से दूसरे ग्रह के बीच की यात्रा पर
शोध करती है। इसी प्रकार के
एक शोध के अंतर्गत
शोधकर्ताओं ने इस नए जीवाणु
की खोज की। जिसे उन्होंने
आईएसएस की ऑफिशियल
वेबसाइट पर स्वर्गीय राष्ट्रपति
अब्दुल कलाम के सम्मान में
'सोलिबैसिलस कलामी' नाम
दिया है। खोजे गए बैक्टीरिया की
प्रजाति का नाम कलामी और



उसके जीन का नाम
सैलिबैसिलस है। यह एक रोग
फैलाने वाला जीवाणु है।

जेपीएल में बायोटेक्नोलॉजी
और प्लैनेटरी प्रोजेक्शन समूह के
वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक डॉ. कस्थुरी
वेंकटेश्वरन ने बताया कि
कलाम खुद भी एक प्रसिद्ध
एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे। उन्होंने
1963 में नासा में प्रशिक्षण भी
लिया था।

कलाम ने ही भारत की पहली
रॉकेट लॉन्चिंग स्पेस स्टेशन की
केरल के थुम्बा में स्थापना की
थी। वेंकटेश्वरन की मानें तो यह
जीवाणु अभी तक पृथ्वी पर नहीं
पाया गया है। फिर भी इसे अन्य
ग्रह पर जीवन के स्रोत के रूप में
उल्लेखित करना उत्साह में
उठाया कदम ही होगा।